तथा बिहार से होकर गुजरने वाली नदियों पर जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना की अच्छी सम्भावनाएं हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस सम्बन्ध में नेपाल सरकार से विचार-विमर्श अथवा समझौता किया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू): (क) से (घ) दो प्रमुख नदियां अर्थात् गंडक और कोसी नेपाल से बहती हुई भारत में प्रवेश कर गंगा नदी में मिलती हैं। नेपाल में इन दो नदियों अर्थात् गंडक की सहायक नदी पर बुरडी गंडाकी (600 मे० वा०) और कोसी नदी पर साप्ता कोशी (3300 मे० वा.) पर दो प्रमुख परियोजनाओं के सम्बन्ध में सर्वेक्षण और अन्वेषण से संबंधित मामलों पर इस समय नेपाल से विचार-विमर्श चल रहा है। दिसम्बर, 1993 जल संसाधन मंत्री के नेपाल दौरे के दौरान दोनों देश इन परियोजनाओं की रूपात्मकताओं और परियोजनाओं सम्बन्धी अन्वेषण कार्यों के ब्यौरों को अंतिम रूप दिए जाने की दिशा में कदम उठाने के लिए सहमत हो गए हैं।

वित्तीय अभावों के कारण बिहार में विद्युत उत्पादन में रूकावट

960. **श्री एस० एस० अहलुवालिया**: क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार राज्य की अनेक विद्युत परियोजनाओं में वित्तीय अभावों के कारण विद्युत उत्पादन आरम्भ नहीं किया जा सका;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) राज्य की विद्युत परियोजनाओं को आरम्भ करने के लिए ऐसे वित्तीय अभावों को दूर करने हेतु सरकार द्वारा क्या आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू): (क) और (ख) बिहार में विद्युत परियोजनाओं के कार्य में प्रगति तथा इनको पूरा करने में वित्तीय समस्याओं के कारण बाधा आई है। 8वीं पंचवर्षीय योजना में विद्युत क्षेत्र हेतु 2120.83 करोड़ रुपये के अनुमोदित परिव्यय में संशोधन करके वर्ष 1992-93 के लिए व्यय की अनुमानित राशि केवल 169.06 करोड़ रुपये कर दी गई है और वर्ष 1993-94 के लिए प्रत्याशित व्यय की राशि भी प्रायः इसी के समान 169.40 करोड़ रुपये हैं;

(ग) विद्युत क्षेत्र के भौतिक एवं वित्तीय कार्य निष्पादन में सुधार करने के लिए अन्य बातों के साथ-साथ बिहार सरकार द्वारा केन्द्रीय सरकार से अनुरोध किया गया है कि राज्य में विद्युत उद्योग की पुनः संरचना किए जाने की दृष्टि से नैदानिक अध्ययन कार्य किए जाने के लिए सहायता हेतु विश्व बैंक से अनुरोध किया जाए।

Increasing the Power Generation

961. **SHRI S.K.T. RAMACHANDRAN**: Will the Minister of POWER be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 570 given in the Rajya Sabha on the 7th December, 1993 and state:

(a) whether it is a fact that the per capita consumption of power in India is very low compared with that of advanced countries, if so, what measures are taken by Government to improve this situation; and

(b) whether the power generated by the new private enterprises will be absorbed in the existing power grids of the country or new private enterprises will have their own electrical grid?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU): (a) Yes, Sir. Various measures are being taken to improve the availability of power in our country so that the growing demand for power is substantially met. The measures include taking up of new projects for implementation, mobilising additionality of resources from private sector companies for the capacity addition programme in distribution and generation, expediting commissioning of new generating capacity, implementation of short gestation projects, improving the performance of existing power stations through renovation and modernisation and uprating of their performance, reduction in T & D losses, implementation of demand side

management measures, energy conservation measures and building a capability for optimal transfer of power from surplus to deficit regions.

(b) The power generated by the private generating company will be supplied either to the existing Grid or to any other party as permitted by the concerned State Govt

गुजरात और महाराष्ट्र में विद्युत उत्पादन

962. **श्री चन्द्रिका अभिनन्दन जैन:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात और महाराष्ट्र विद्युत बोर्डों ने पिछले तीन वर्षों के दौरान कुल कितने मेगावाट विद्युत का उत्पादन किया;

(ख) क्या कुल उत्पादित विद्युत राज्यों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त थी; और

(ग) यदि नहीं, तो गुजरात तथा महाराष्ट्र विद्युत बोर्डों ने उक्त अवधि के दौरान जिन केन्द्रीय विद्युत केन्द्रों को विद्युत की आपूर्ति की थी, उनके नाम क्या-या हैं और विद्युत की कितनी मात्रा की आपूर्ति की गई थी?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी॰ वी॰ रंगैया नायडू: (क) वर्ष 1990-91, 1991-92 तथा 1992-93 के दौरान गुजरात विद्युत बोर्ड तथा महाराष्ट्र राज्य बोर्ड में विद्युत के उत्पादन को किलोवाट आवर यूनिट मात्रा निम्नवत थाः—

(आंकड़े मिलियन यूनिट में)

वर्ष	गुजरात विद्युत बोर्ड	महाराष्ट्र राज्य बिजली बोर्ड
1990-91	17434	28639
1991-92	18123	31195
1992-93	20304	30945

(ख) वर्ष 1990-91 से 1992-93 के दौरान गुजरात तथा महाराष्ट्र में विद्युत आपूर्ति स्थिति नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार थाः—

उपलब्धता में स्वयं का उत्पादन, पश्चिमी क्षेत्र में केन्द्रीय क्षेत्र केन्द्रों से विद्युत का आहरण तथा पड़ोसी प्रणाली से प्राप्त सहायता शामिल है।

(ग) पश्चिमी क्षेत्र के भागीदारों जिनमें गुजरात और महाराष्ट्र शामिल हैं, को पश्चिमी क्षेत्र में स्थित

(आंकड़े शुद्ध मिलियन यूनिट में)

राज्य	1990-91	1991-92	1992-93
गुजरात			
आवश्यकता	23305	25505	26500
उपलब्धता	22358	24417	25712
कमी	947	1088	788
%	4.1	4.3	3.0
महाराष्ट्र			
आवश्यकता	38895	42070	43970
उपलब्धता	37386	40166	41387
कमी	1509	1904	2583
%	3.9	4.5	5.9